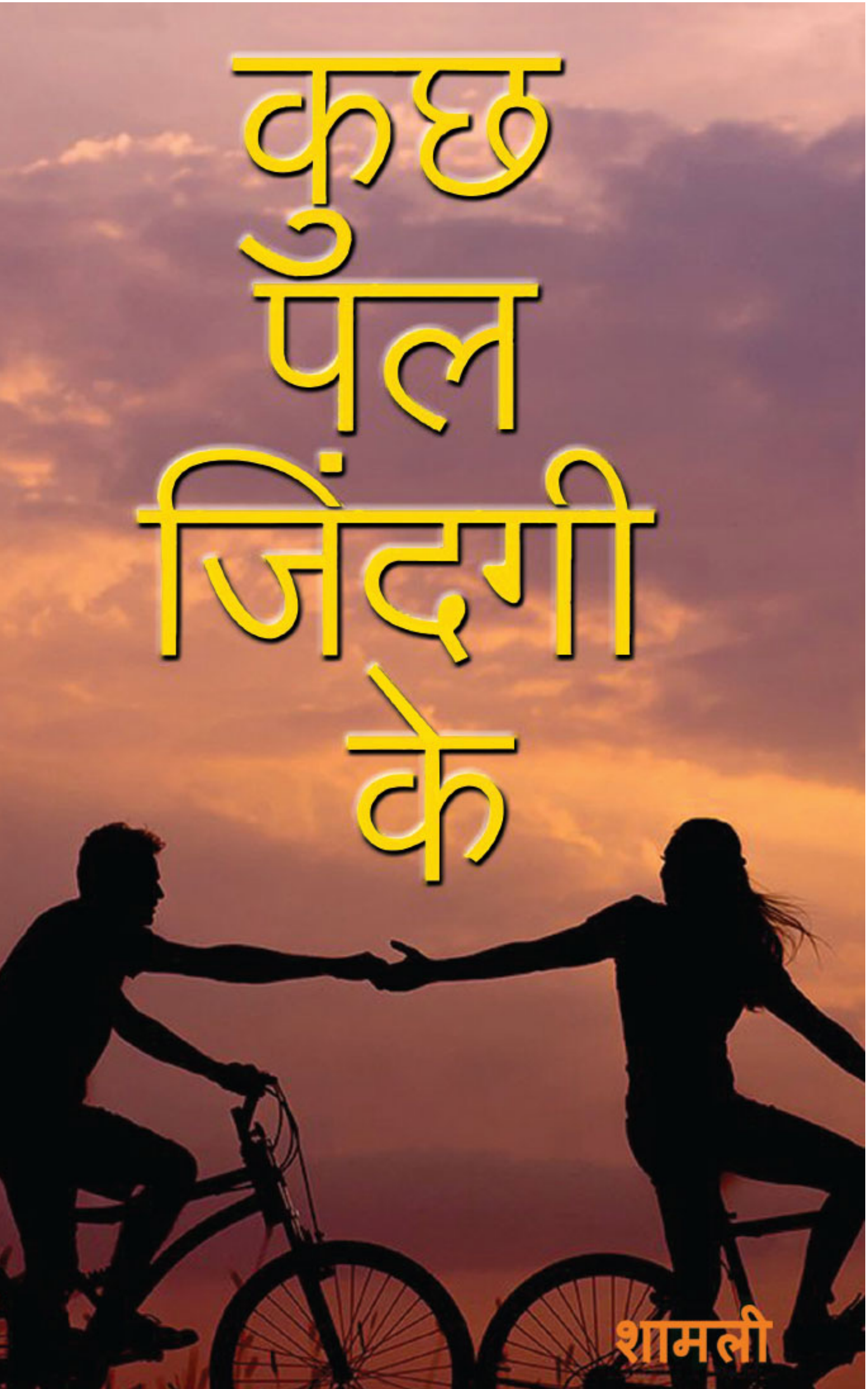
कुछ पल जिंदगी के
शामली

Copyright © 2019, Shamli
All rights reserved.

No part of this publication may be reproduced or transmitted in any form or by any means, electronic or mechanical, including photocopy, recording or any information storage and retrieval system now known or to be invented, without permission in writing from the publisher, except by a reviewer who wishes to quote brief passages in connection with a review written for inclusion in a magazine, newspaper or broadcast.

Published in India by Prowess Publishing,
YRK Towers, Thadikara Swamy Koil St, Alandur,
Chennai, Tamil Nadu 600016

ISBN: 978-93-89097-59-7

Library of Congress Cataloging in Publication

Contents

1. वक्त ... 1
2. देखो ... 2
3. कौन क्या सिखाता है ... 3
4. लगाए रखो नजरें ... 4
5. नाज़ ... 5
6. जान अभी बाकी है ... 7
7. अजीब जिंदगी है ... 8
8. बेटियां ... 9
9. देश का सिपाही ... 10
10. बिज़ी हो गए हैं हम ... 12
11. क्या बनु ... 14
12. जिंदगी है दो पल ... 15
13. मेरी कहानी ... 16
14. जिंदगी के वो हसीन पल ... 18
15. मंजिलें यूं ही नहीं मिलती ... 20

16. मेरा सफर 22
17. तेरी याद 23
18. कौन थे वह 25
19. थोड़ा उन्होंने बेचा थोड़ा हम ने खरीदा 27
20. राज़. 29
21. जब साथ मेरा बोझ बन जाए 31
22. जो बीत गई सो बात गई 33
23. काश यह जिंदगी एक किताब होती 35
24. मुझे मेरी मां ने सिखाया. 36
25. जो होता है अच्छे के लिए होता है 38
26. शायरों की शायरी का राज 39
27. नन्ही जान 40
28. मां पाना 41
29. मेरे सपनों का भारत. 43

1. वक्त

वक्त ही तो है बदल जाएगा
कुछ पल में है कुछ पल में छूट जाएगा
वक्त तो होता ही है बदलने के लिए
ठहरते तो बस लम्हे हैं
आज तेरा है तो कल आना मेरा है
यह वक्त यूं ही नहीं चला जाता
बहुत कुछ सिखा कर जाता है
अफसोस यह वक्त बताकर नहीं आता
साहब वक्त बदलने में देर नहीं लगती
यह सब कुछ गवा भी देता है सब कुछ पा भी लेता है
वक्त किसी का गुलाम नहीं बदल जाएगा
यह किसी के आगे झुकता नहीं बदल जाएगा
वक्त गूंगा नहीं तूफान है तूफान जब आता है
तो सब कुछ बदल जाता है
कौन अपना कौन पराया सब बता जाता है
अभी तो जिंदगी में बहुत कुछ पाएगा
घमंड मत कर यह वक्त है बदल जाएगा
कुछ पल में है कुछ पल में छूट जाएगा !

✪ ✪ ✪

2. देखो

हकीकत देखो ख्वाब नहीं
महफिल देखो नवाब नहीं
प्यार देखो चेहरा नहीं
दिल देखो सीना नहीं
इंसानियत देखो इंसान नहीं
बुराई से लड़ो अच्छाई से चलो
कदम से नहीं हौसलों से चल
फिर कहीं इस भीड़ में खो ना जाना
बदला–बदला देखकर कुछ
इस तरह बदल ना जाना कि अपने तो
क्या खुदा भी तुम्हें पहचानने से इंकार कर दे !

✪ ✪ ✪

3. कौन क्या सिखाता है

शाम ढलना सिखाती है
सूरज उगना सिखाता है
सीढ़ियां मंजिल तक पहुंचाना सिखाती हैं
हार फिर जीतना सिखाती है
यह दुनिया हमें बुरे वक्त में भी जीना सिखाती हैं
दोस्त हालातों से लड़ना सिखाते हैं
मां दुनिया से रूबरू कराती है
पिता गम को छुपा कर हंसना सिखाते है
गिरकर उठने में तकलीफ तो होती है
पर सिर्फ ठोकर ही इंसान को
आगे बढ़ना सिखाती है
जो कहते हैं दुनिया में
कुछ चीजों का मतलब नहीं होता
दोस्तों वे चीजें भी कभी–कभी
बहुत कुछ सिखा जाती हैं !

✪ ✪ ✪

4. लगाए रखो नजरें

लगाए रखो नजरे वक्त पर
कि कभी तो वक्त आएगा
छूट गया जो पल में फिर दोबारा मिल जाएगा
लगाए रखो नजरें सपनों पर
कि कभी तो मंजिल आएगी
हार कर जीतना सीख जाओ
जीत तुम्हारे पास खुद ब खुद आएगी
लगाए रख नजरें अपने कदमों पर
कि कभी तो हौसला आएगा
चलते रहे सच्चाई पर कि कभी तो मौका आएगा
छूट गया जो पल में फिर दोबारा मिल जाएगा !

✪ ✪ ✪

5. नाज़

मुझे अपनी मोहब्बत
पर नाज़ हुआ करता था
उसके दिल की गलियों में
मेरा शोर हुआ करता था
तुम मानो या ना मानो
वह कभी मेरा प्यार हुआ करता था
दिल में धड़कनों का शोर हुआ करता था
हमारी उसकी बातों में
अंदाज़ हुआ करता था
तब मुझे अपनी मोहब्बत
पर नाज़ हुआ करता था
दिल में प्यार का
आगाज हुआ करता था
चेहरे पर मुस्कान का
निशान हुआ करता था
लबों पर बस उसी का
नाम हुआ करता था
कोई वक्त था जब

उसे मुझसे प्यार हुआ करता था
उसका मेरा एक खूबसूरत
लम्हा हुआ करता था
रूठना मनाना हुआ करता था
बातों–बातों में इकरार हुआ करता था
न जाने और कितना झूठ
और कितना सच हुआ करता था !

✪ ✪ ✪

You’ve Just Finished your Free Sample

Enjoyed the preview?

Buy: https://store.prowesspub.com